जब बाघ हो मेहमान तो रहें सावधान !

नमस्कार ! मै हूँ सूरमा, जिला खीरी का निवासी। आज ही मुझे पता चला है कि मेरे गन्ने के खेत में बाघ है फिर भी मै भयभीत नही हूँ।

इसलिये नही कि मेरा नाम सूरमा है बल्कि इसलिये कि मै सावधानी बरतना जानता हूँ।

आइये पहले यह समझे कि बाघ हमारे खेतो में विचरण क्यों करते हैं–

बाघ एक लुप्तप्राय जीव है। भारत के काफी हिस्सो से इसके जंगल नष्ट हो चुके हैं।

हमारे उत्तर प्रदेश में तराई क्षेत्र इनका एक मात्र वास (घर) है।

यहाँ भी इनके पुराने कई वास–स्थल खेती मे बदल गये हैं।

जिस तरह आप घर से बाजार जाने के लिए सड़को का प्रयोग करते हैं

उसी तरह बाघ एक जंगल से दूसरे में जाने के लिए हमारे खेतो का प्रयोग करते हैं

गन्ने की फसल घास जैसी लम्बी घनी होने के कारण बाघिन अपने बच्चों को इसमें पालना सुरक्षित महसूस करती हैं।

अब आईए जाने हम बाघो से किस तरह चौकन्ने रह सकते हैं।

बाघ की लाती, उसका मल या उसका किया गया शिकार आपके खेत में बाघ होने का लक्षण है।

इस बात की सूचना तुरन्त वन विभाग के अफसरो को दें।

पड़ोसियो और सह किसानो को भी शीघ्र सूचित करें।

बाघ दिखने पर उससे दूर रहे।

खेतों में अकेले काम न करे। चुपचाप न रहे, और शोर द्वारा बाघ को अपनी उपस्थिति होने का आभास करायें।

ओ मेरे देश की धरती ई ई ई

संभावित जगहों से बच्चों को हमेशा दूर रखें।

याद रखें बाघ फसलों में नुकसान करने वाले जंगली जीवों का शिकार करते हैं। यदि हम सतर्क रहें तो बाघ से हमे लाभ ही हैं।

चित्रकार – रोहन चक्रवर्ती

रोहन

The Rufford Foundation
www.rufford.org

CENTER FOR COLLABORATIVE conservation

WWF